आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 46 अंक 48 (प्रति रविवार) इंदौर, 20 अगस्त से 26 अगस्त 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

अगर परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहीं, तब 23 को नहीं 27 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग करेगा चंद्रयान-3

दो घंटे पहले होगा सॉफ्ट लैंडिंग पर फैसला

हैदराबाद (एजेंसी)। चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम अब अपने कैमरे एलएचडीएसी से चांद के दक्षिणी ध्रुव पर ऐसी जगह तलाश रहा है, जहां बड़े पत्थर और गहरे गड्ढे न हों। जिससे कि 23 अगस्त शाम 6ः04 बजे वह सॉफ्ट लैंडिंग कर सके। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने कहा कि विक्रम में लगा कैमरा खतरे का पता लगाने और बचाव में सक्षम है। इसरो के निदेशक नीलेश एम देसआई ने कहा कि 23 अगस्त को चंद्रयान-3 को उतारना उचित होगा या नहीं, इसका निर्णय लैंडर मॉड्यूल की स्थिति और चंद्रमा पर स्थितियों के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि अगर परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहीं, तब लैंडिंग को 27 अगस्त तक आगे बढ़ाया जा सकता है। इसरो ने कहा

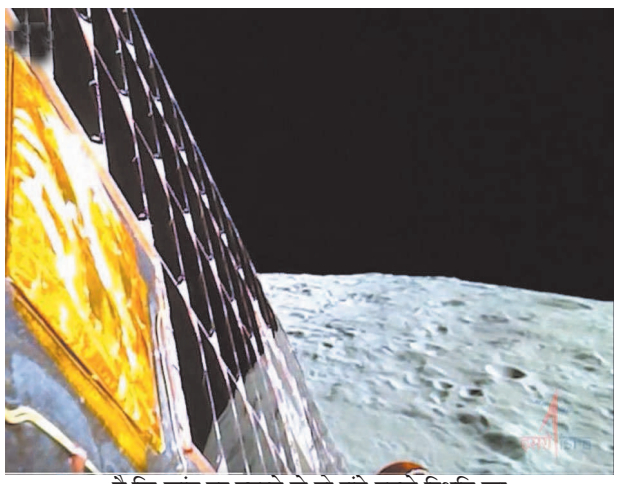

है कि चांद पर उतरने से दो घंटे पहले स्थिति का जायजा लिया जाएगा। उसके बाद लैंडर को चांद पर उतारने का फैसला होगा। लगेगा कि स्थिति ठीक नहीं है, तब हम इस 27 अगस्त तक के लिए आगे बढ़ा सकते हैं। उधर भारत के टॉप वैज्ञानिकों ने कहा कि लूना-25 चंद्र मिशन की नाकामी का इसरो के चंद्रयान-3 अभियान पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

चंद्रयान-2 मिशन को भेजने के समय इसरो प्रमुख रहे के.सिवन ने कहा, चंद्रयान-3 मिशन योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। सॉफ्ट लैंडिंग योजना के अनुसार होगी। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार यह सतह पर उतरने में सफल रहेगा। 2008 में चंद्रयान-1 मिशन लांच होने पर अंतरिक्ष एजेंसी का नेतृत्व करने वाले नायर ने कहा कि एक सफल लैंडिंग इसरो के ग्रहों की खोज के अगले चरण के लिए एक बड़ी शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि ये एक बहुत ही जटिल युद्धाभ्यास है।

चीन ने लद्दाखी चरवाहों की जमीन कब्जाई-राहुल गांधी

प्रधानमंत्री कहते हैं, हमारी एक इंच जमीन चीन ने नहीं ली, यह सच नही

जम्मू। कांग्रेस के वरिष्ठ पिता पूर्व पीएम दिवंगत राजीव गांधी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि नेता व सांसद राहुल गांधी ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा में पैंगोंग झील से मोदी सरकार की चीन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि हमारी एक इंच जमीन भी चीन ने नहीं ली है, मगर यह सच नहीं है। लद्दाख के लोग स्पष्ट कह रहे कि उनकी जमीन चीन ने कब्जा ली है। राहुल ने यह मुद्दा उस समय उठाया जब भारत-चीन की सेनाओं के बीच हालात में बेहतरी के लिए बातचीत चल रही है। गत दिनों भी इस मुद्दे पर कोर कमांडर स्तर पर बात हुई थी। राहुल गांधी ने अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी की जयंती पर रविवार को पैंगोंग झील के पास आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि देने के बाद लोगों को संबोधित किया। राहुल ने पत्रकारों से कहा कि लोगों के अनुसार, चीनी सेना उनके इलाके में घुसी है। उसने उनकी चरागाहों की जमीन ले ली है। जमीन चली जाने से लोग प्रभावित हुए हैं। कुछ दिक्कतों के कारण वह भारत जोड़ो यात्रा में लद्दाख नहीं आ सके थे। यहां लेह, पैंगोंग, नोबरा, कारगिल में जाकर क्षेत्र के हालात जानने की कोशिश कि तो पता चला कि लोगों ज को बड़ी दिक्कतें हैं। लद्दाख में संचार सुविधा की भी कमी है। दिवंगत राजीव गांधी के लद्दाख के चित्र इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हुए राहुल ने लिखा कि वह कहते थे कि लद्दाख खूबसूरत है।

त्रिपुरा में मां-बेटे को निर्वस्त्र कर मारपीट

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के अगरतला में भीड़ ने मां-बेटे के साथ मारपीट की, फिर उन्हें निर्वस्त्र कर दिया। इस दौरान मौके पर मौजूद पंचायत सदस्य पर भीड़ को उकसाने का आरोप है। मामला शानमुरा गांव का है। महिला ने बताया कि उसके बेटे ने दो नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर शराब पीने के लिए एक दुकान से पैसे चुराए थे। स्थानीय लोगों ने उन्हें चोरी करते देख लिया। स्थानीय लोगों ने मेरे बेटे के दोस्तों को छोड़ दिया, लेकिन मुझे और बेटे को पंचायत के सामने पेश किया गया। पंचायत में निर्वाचित पंचायत सदस्य शुकलाल दास भी मौजूद था। पीड़ित महिला ने बताया- मैंने पंचायत से अपने बेटे की गलती के लिए माफी मांगी। साथ ही चोरी किए गए पैसे लौटाने का भी वादा किया। लेकिन शुकलाल ने लोगों को उकसाया और भीड़ ने मेरे बेटे पर हमला कर दिया। उन्होंने बेटे के साथ मारपीट की और उसका सिर मुंडवा दिया। जब मैंने इसका विरोध किया तो लोगों ने मुझे और मेरे बेटे को निर्वस्त्र कर दिया। इसके बाद भी भीड़ हम मां-बेटे को पीटती रही, उन्होंने मेरे बेटे को तो जान से मारने तक की कोशिश की। किसी तरह पुलिस को मामले की जानकारी मिल गई थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने हमें भीड़ से बचाया।

धारा 370 की सुनवाई कर सीजेआई ने कहा,

पीठ भी मानसिक संतृप्ति के स्तर पर पहुंच रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर दलीलें सुन रही है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने कहा कि 162 में कहा गया है कि सूची दो और तीन के संबंध में राज्य की कार्यकारी शक्ति राज्य में निहित होगी। यह संविधान के प्रावधानों के अधीन है, संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अधीन नहीं है। साधारण बहुमत और अनुच्छेद 3 द्वारा, ये सभी संवैधानिक अधिकार, जिनमें से कई संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं, मिटा दिए जाते हैं।

वरिष्ठ वकील संजय पारिख ने अपनी दलीलें शुरू कर 370 के ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि कश्मीर के लोग एक साथ आए और खुद को एक घोषणापत्र दिया। उन्होंने कहा कि वे कश्मीर के लिए एक संविधान और आर्थिक योजना चाहते हैं। संप्रभुता लोगों में निहित है और वे अपनी संप्रभुता को एक विशिष्ट तरीके से व्यक्त करते हैं। इस संप्रभुता को जम्मू-कश्मीर संविधान में अनुवादित किया गया। जब लिखित संविधान होता है, तब लिखित संविधान ही सर्वोच्च हो जाता है। संपूर्ण विचार यह था कि लोग एक लोकतांत्रिक स्थापना चाहते थे। इसलिए, वे एक साथ आए, एक घोषणापत्र बनाया। वह महाराजा को दे दिया गया। इस अभिव्यक्ति को जम्मू-कश्मीर के संविधान में अनुवादित किया गया।

सीजेआई ने कहा कि हम जानते हैं कि हम आपसे मामले को तेजी से खत्म करने के लिए कह रहे हैं, लेकिन हमें यह महसूस करना चाहिए कि पीठ भी मानसिक संतृप्ति के स्तर पर पहुंच रही है जहां अब हमें केंद्र से जवाब की जरूरत है। हम आपको प्रत्युत्तर देने के लिए कुछ और समय देने वाले हैं। सिंह ने कहा कि 1919 और 1935 के भारत सरकार अधिनियम से निकलने वाले अनुच्छेद 3 और 4 का इतिहास दर्शाता है कि सीमाओं को बदलने, नाम बदलने आदि की शक्ति का उपयोग हमेशा आत्म-प्रतिनिधित्व और लोकतांत्रिक स्वशासन को बढ़ाने के लिए किया गया था। प्रतिगमन का कोई मामला नहीं था। यदि आप जम्मू और कश्मीर को अलग रख दें तब आज केवल 6 केंद्र शासित प्रदेश हैं।

यहां तक कि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव को भी 2020 में एक में विलय कर दिया गया है। उन्हें एक केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है।

चीन का प्रोपेगंडा फैलाकर भारत को बदनाम कर रहे राहुल-भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गाधी पर पलटवार करते हुए कहा कि वह बीजिंग की भाषा बोल रहे है और अपने बेतुके बयान से भारत को बदनाम कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल के इस दावे को सिरे से नकार दिया कि चीन ने लद्दाख में चरागाह की भूमि हड़प ली है। रविवार को उन्होंने कहा कि सच्चाई ये है कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदानों की वजह से ही चीन को गलवन में अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। उधर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि चीन का समर्थन करने वाली और हिंदी चीनी भाई-भाई का नारा लगाने वाली और 45,000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीन को देने वाली कांग्रेस को पहले खुद के अंदर झांकना चाहिए। प्रसाद ने राहुल से कहा - आपने लद्दाख के बारे में जो कुछ भी कहा है, वह पूरी तरह गलत है और मैं पार्टी की ओर से आपके पूरे बयान की निंदा करता हूं। आप गलवन में हमारे सैनिकों की वीरता और बलिदान पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब भी सीमा क्षेत्र का दौरा करते हैं तो कुछ न कुछ आपत्तिजनक कहते हैं और चीन को भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने का मौका दे देते हैं।

संपादकीय

तेज गति से बढ़ता टोल शुल्क महंगाई का कारण बना

भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बड़े पैमाने पर रोड बना रहा है। भारत माला जैसी परियोजनाओं के लिए भारी कर्ज लिया जा रहा है। रोडें अब धीमी गति से बन रही है। रोड बनने के पहले ही टोल शुरू हो जा रहा है। जिन रोड़ों पर टोल टैक्स लग रहा है। बीच-बीच में उनकी हालत बड़ी खस्ता है। मरम्मत भी नहीं हो पा रही है। इसके बाद भी वाहन चालकों से भारी टोल वसूल किया जा रहा है। पिछले 10 सालों से टोल टैक्स लगभग हर साल बढ़ाया जा रहा है। हर साल सरकार 5 से 10 फ़ीसदी टोल टैक्स बढ़ा देती है। 75 फ़ीसदी टोल वाणिज्यिक वाहनों से प्राधिकरण को प्राप्त होता है। 25 फ़ीसदी टोल टैक्स सामान्य चार पहिया वाहनों से वसूल होता है। 2 रुपये प्रति किलोमीटर से ज्यादा टोल टैक्स की वसूली, लाइट मोटर व्हीकल से की जा रही है। वाणिज्य वाहनों में यह वसूली और भी ज्यादा है। जिसके कारण तेजी के साथ हर चीज महंगी हो रही है। बाजार में महंगाई बढ़ती चली जा रही है। वाणिज्यिक वाहनों से टोल में हजारों रुपए टैक्स के रूप में वसूल किया जा रहे हैं। जिसके कारण महंगाई दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है। लंबी दूरी पर चलने पर ट्रकों से 20 से 30000 रुपये टोल टैक्स के रूप में चुकाने होते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कर्ज लेकर रोड बना रहा है। कर्ज लेकर जो रोड बन रही है। वह काफी धीमी गति से बन रही है। लागत के मुकाबले आय कम होने से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अपना कर्ज भी नहीं चुका पा रहा है। सितंबर 2022 तक राष्ट्रीय राजमार्ग का कर्ज 3.48 लाख करोड रुपए हो गया है। जो भारत की जीडीपी का 3.4 फ़ीसदी है। 2014 से 2022 के बीच में यह कर्ज 14 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। जिसके कारण कर्ज के मकडजाल में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बुरी तरह फंस गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 2019 में चिट्ठी लिखकर कर्ज कम करने की चेतावनी प्राधिकरण को दी थी। उसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्ज कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। 2014 के बाद से प्राधिकरण द्वारा अंधाधुंध कर्ज लिया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण की लागत 30 फ़ीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। दबाव में कई ऐसी परियोजनाओं को शुरू कर लिया गया है। जो किसी भी तरीके से लाभदायक और जरूरी नहीं है। सड़क निर्माण की रफ्तार भी तेजी के साथ घट गई है। पहले प्रतिदिन 37 किलोमीटर सड़क तैयार हो रही थी। जो अब घटकर 20 किलोमीटर पर आ गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भारी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्ज 47 फ़ीसदी बढ़ गया है। जबकि आय में केवल 7.3 फ़ीसदी का इजाफा हुआ है। प्राधिकरण चाहता है, कि सड़कों पर टोल बढ़ाया जाए। हर साल 5 से 10 फ़ीसदी बढ़ाया भी जा रहा है। टोल अब इतना ज्यादा हो गया है, कि इससे ज्यादा यदि वसूल किया गया। तो लोगों की नाराजगी सड़कों पर खुलकर सामने आ जाएगी। टोल के कारण महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कर्ज की समस्या से निपटने के लिए सरकार,इन सड़कों को बेचकर, निजी क्षेत्र को देने का मन बना लिया है। सरकार हाईवे बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रही है। लेकिन ढंग के ग्राहक भी सरकार को नहीं मिल पा रहे हैं। जो पुराने निवेशक हैं। वह घाटे के कारण बाहर निकालने की तैयारी कर रहे हैं। महंगाई और ब्याज दर बढ़ने के कारण टोल कंपनियों को टोल से कमाई की उम्मीद कम हो गई है। जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की मुसीबतें अब दिनों दिन बढ़ने वाली हैं। कर्ज के भार से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कराहने लगा है। टोल प्लाजा पर जिस तरह से शुल्क बढ़ाया जा रहा है। अब उसकी नाराजी भी देखने को मिलने लगी है। टोल का खर्च और ईंधन का खर्च लगभग लगभग बराबर होने की स्थिति पर आ गया है। जो सबसे बड़ी चिंता का कारण है।

मोदी-विरोध के नाम पर देश-विरोध क्यों?

ललित गर्ग

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने के इरादे से लद्दाख में चारागाह भूमि पर चीनी सेना का कब्जा होने का दावा किया है, निश्चित इस तरह के बयान न केवल सेना के मनोबल को कमजोर करते हैं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करते हैं। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान सशक्त नेता बनेंगे ?

राहुल गांधी ने कथित तौर पर लद्दाख की जमीन पर चीन का कब्जा होने का जो दावा किया गया है, वह जल्दीबाजी में बिना सोच के दिया गया गुमराह करने वाला बयान है, उससे यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। यह भूला नहीं जा सकता कि डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था?

राहुल को यह भी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू के समय चीन ने किस तरह पहले तिब्बत को हड़पा और फिर 1962 के युद्ध में 'हिन्दी चीनी भाई-भाई' का नारा जप कर भारत माता की 45,000 वर्ग किलोमीटर भूमि चीन को दे दी। आज जब भारत चीन के अतिक्रमणकारी एवं अति महत्वाकांक्षी रवैये के खिलाफ डटकर खड़ा है और उसे उसी की भाषा में जवाब दे रहा है तब राहुल गांधी जानबूझकर प्रधानमंत्री की एक सशक्त एवं विश्व नेता की छवि पर हमला करने के लिए उतावले रहते हैं। वह अंध मोदी विरोध के चलते सारी मर्यादाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं। वह यह बुनियादी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि जब रक्षा और विदेश नीति के मामलों में राजनीतिक वर्ग एक सुर में नहीं बोलता तो इससे राष्ट्रीय हितों को चोट ही पहुंचती है, इससे राष्ट्र कमजोर होता है। चीन एवं पाकिस्तान जैसे दुश्मन राष्ट्र इसी से ऊर्जा पाकर अधिक हमलावर बनते हैं।

देश की जनता मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क को महसूस कर रही है। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे हैं जबकि मोदी ने न केवल अपनी सरकार के दौरान भारत में आए बदलावों की सकारात्मक तस्वीरें देशी-विदेशी मंच पर पेश कीं, बल्कि दुनिया की समस्याओं को लेकर भी अपनी समाधानपरक सोच रखी। इसलिये उन्हें विश्व नेता के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। किन्हीं राहुल रूपी गलतबयानी की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी, उनके रणनीतिकारों और विदेशों में कांग्रेस के संचालकों का नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन देश की छवि खराब करने, सरकार को कमजोर बता कर और मोदी जैसे कद्दावर नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है!! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं!!!

लगता है राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये पहली बार नहीं है। राहुल गांधी इस तरह का आचरण इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें शासन संचालन, राजनीतिक परिपक्वता के तौर-तरीकों का कोई अनुभव नहीं। उनकी तरह सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कोई जिम्मेदारी लिए बिना पर्दे के पीछे से सब कुछ करने में ही यकीन रखती हैं। कांग्रेस की मजबूरी यह है कि वह गांधी परिवार के बिना चल नहीं सकती। कांग्रेस नेताओं की भी यह विवशता है कि अपने नेता के बयानों को सही एवं जायज ठहराने में सारी हदें लांघ जाते हैं। लेकिन, प्रश्न यह है कि क्या दुश्मन राष्ट्र से जुड़ी स्थितियों पर बोलते हुए वह मात्र भारत के विपक्षी दल के नेता होते हैं? क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भारत का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? यह समस्या मात्र राहुल गांधी की नहीं है। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन उस लकीर को नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। ऐसे बयानों से किस पर और कैसे प्रभाव पड़ता है। सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना भी आवश्यक है।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके? बने भी तो कैसे? शरीर कितना ही सुन्दर क्यों न हो, मक्खियों को तो घाव ही अच्छा लगेगा। इसी प्रकार राहुल एवं कांग्रेस को तो अच्छाइयों में भी बुराई का ही दर्शन होगा।

भाजपा के पर्यवेक्षक से बोले महू भाजपा नेता

महू विधायक भाजपा नेताओं की नहीं सुनती तो कार्यकर्ताओं की क्या बिसात

इंदौर। *विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और तैयारियां तेज़ हो चुकी हैं। इस बार भारतीय जनता पार्टी ने इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में गुजरात के विधायक बुलाए हैं जो उन क्षेत्रों में जाकर स्थानीय नेताओं से मिलकर स्थिति का अंदाज़ा ले रहे हैं। महू में गुजरात के नाड़िया के विधायक पंकज भाई देसाई रविवार को महू पहुंचे यहां वे . कार्यकर्ताओं और नेताओं से मेल मुलाकात कर रहे हैं।*

रविवार को पंकज भाई देसाई ने स्थानीय नेताओं से मेल मुलाकात .की। इस दौरान उनसे कार्यकर्ताओं ने जो मांग की वह स्थानीय प्रत्याशी की रही। हालांकि जितने भी दावेदार गिनाए जा रहे हैं उन्होंने ऐसी मांग चाहते हुए भी नहीं दोहराई क्योंकि उन्हें पता है कि पार्टी में इस तरह की राय देना भविष्य के लिए खतरनाक हो सकता है। मौजूदा विधायक उषा ठाकुर का बीते चुनावों में जब एक स्थानीय नेता ने विरोध किया तो तब यहां से विधायक रहे कैलाश विजयवर्गीय ने उसे चुप करा दिया था। हालांकि अब वह नेता भाजपा में सक्रिय नहीं हैं। ऐसे में स्थानीय दावेदार बाहरी का विरोध चाहकर भी नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि उनकी इस राय के लिए कोई जगह नहीं है। हालांकि दावेदारी से दूर कुछ सीनियर नेता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने महू सीट का हाल जानने के लिए आए पंकज भाई देसाई के सामने अपना पक्ष खुलकर, रखा। उन्होंने कहा कि बीते पांच सालों में महू भाजपा की स्थिति काफी बिगड़ी है। स्थानीय कार्यकर्ता पार्टी से दूर हुए हैं। ऐसा इसलिए

क्योंकि मौजूदा विधायक उषा ठाकुर का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। न तो क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए और न ही लोगों को विश्वास में लिया गया। महू के नेताओं ने शिकायत की कि विधायक बनने के बाद उषा ठाकुर महू में न के बराबर सक्रिय थीं और भाजपा की सरकार जब फिर बनी 7 तो उन्हें मंत्री बना दिया गया इसके बाद भी उनका रवैया खास नहीं बदला। इन नेताओं ने कहा कि ठाकुर जब वरिष्ठ नेताओं को तरजीह नहीं देतीं तो छोटे कार्यकर्ताओं और खासकर जनता की कोई गिनती ही नहीं होती। ऐसे में इस बार महू से स्थानीय नेता की मांग तेज है।

इस मांग का आधार सांसद छतरसिंह दरबार भी रहे। नेताओं ने देसाई को बताया कि उन्हें एक ऐसे नेता के लिए काम करना पड़ रहा हैं जो महू की भौगोलिक स्थिति भी नहीं जानता और ना ही नेता व कार्यकर्ताओं की जानकारी रखता है। दरबार ने पिछले 5 सालों में उन्होंने ऐसा कोई काम नहीं किया जिसके कारण एक सांसद के रूप में उन्हें याद रखा जाए। स्थानीय विधायक उषा ठाकुर के द्वारा महत्वपूर्ण विकासकार्य के सवाल पर नेताओं ने कहा कि ठाकुर के पास गिनाने के लिए कुछ नहीं है। बस जब से वे संस्कृति मंत्री बनीं हैं तो उन्होंने कुछ भजन संध्याएं आदि का सरकारी आयोजन ही केवल करवाया हैं। जो भूमिपूजन किए गए उनका काम अब तक शुरु नहीं हुआ और चुनाव की बेला आ गई है। देसाई ने रविवार को जिन अहम नेताओं से मुलाकात की उनमें युवा मोर्चा के मनोज ठाकुर, शेखर बुंदेला, छावनी परिषद के पदेन उपाध्यक्ष शिव शर्मा, भाजपा के नगर अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल सहित कुछेक नेता मौजूद रहे। वहीं कई नेताओं ने पर्यवेक्षक के कार्यक्रम से दूरी बनाई। देसाई ने रविवार को पहले दिन उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। इसके साथ ही अंबेडकर स्मारक परशुराम जयंती टंट्या मामा प्रतिमा पर पहुंचकर माल्यार्पण किया है। सोमवार को देसाई मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। वहीं अंतिम दिन एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन होगा।

मध्यप्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन क्यों बंद की

इन्दौर। *मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खास और विश्वसनीय और कुशल मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को केन्द्र सरकार प्रत्येक तीन-चार माह में विकास के लिए करोड़ों रुपए कर्ज दे रही है और मुख्यमंत्री केन्द्र से मिले कर्ज को अपना वोट बैंक मजबूत करने में लगे हुए है।*

लाड़ली बहन योजना, मुफ्त में बिजली, मुफ्त राशन, कर्ज से मुक्ति, अपनी लोकप्रियता बना रहे है। दूसरी तरफ प्रदेश में वृद्धजनों को 3-4 माह से वृद्धावस्था पेंशन हीनहीं मिल पा रही है। इससे परिवार में दुःखी वृद्धजन, चाय- तम्बाकू, बीड़ी, दवा इत्यादि लेने से मजबूर हो गए।

परिवार में इन वृद्धजनों की बड़ी ही गंभीर और दयनीय स्थिति थी। कम से कम पेंशन मिलने से वे चाय, तम्बाकू, दवाई इत्यादि का खर्च खुद ही कर लेते थे। पेंशन बंद होने से वृद्धजन अब परिवार पर आश्रित हो गए। उनकी आंखों से आंसू आ जाते है अपनी राम कहानी को बताने में भाजपा की सरकार सिर्फ मोदी के गुणगान गाकर प्रदेश का विकास, लाड़ली बहना योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मोदी के मन की बात, मुफ्त राशन, मुफ्त बिजली, राम मंदिर की ही बात करते रहते है। प्रदेश में अभी से आगामी विधानसभा में वोटों के लिए किलेबंदी की जा रही है, परन्तु प्रदेश के वृद्धजनों का जो पेंशन का सपसे बड़ा सहारा था, उसे भी 3-4 माह से बंद कर दी है। कि कि 30 इससे वृद्धजनों पर मुसीबतों का पहाड़ सा टूट गया है। पहले ही उनके परिजन उनकी उपेक्षा करते अब रोज दवाई, चाय, तम्बाकू, बीड़ी का पेंशन का सहारा था- शिवराजसिंह चौहान भी वृद्धों को समय पर वह नहीं दे पा रहे है। पेंशन वृद्धों का मजबूत सहारा था इससे परिवारों में भी प्रदेश सरकार के प्रति नाराजी बढ़ती जा रही है, जिसका असर सीधे आगामी विधानसभा के चुनाव पर भी बढेगा। प्रदेश की सरकार शीघ्र ही प्रदेश के वृद्धजनों की रोकी गई वृद्धावस्था पेंशन को फिर से चालू करें जिससे वृद्धों को होने वाली परेशानियों का सामना न करना पड़े।

विश्वविद्यालय ने बदले नियम, अब काउंसलिंग में विद्यार्थी करवा सकेंगे प्रवेश निरस्त

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विभागों से संचालित होने वाले पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर सीयूईटी काउंसलिंग शुरू हो चुकी है। इस बार विश्वविद्यालय ने प्रवेश से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। अब विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से नाम हटवाने के लिए विभागों में जाकर आवेदन देने की जरूरत नहीं है। उनका प्रवेश काउंसलिंग स्थल पर निरस्त किया जा सकेगा। इसके लिए काउंसलिंग स्थल पर अलग से स्टाल लगाया है, ताकि छात्र-छात्राओं को सूची से नाम कटवाने में आसानी हो सके। 22 यूजी और 18 पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए गुरुवार से सीयूईटी काउंसलिंग शुरू हो चुकी है। करीब 2500 सीटों के लिए 6300 विद्यार्थियों को बुलाया है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने कुछ नियमों में बदलाव किया है, जिसमें काउंसलिंग के दौरान छात्र-छात्राओं को दस हजार रुपये का डीडी लाना अनिवार्य नहीं है।

काउंसलिंग स्थल पर देना होगा आवेदन-साथ ही विद्यार्थियों को विभागों में जाकर प्रवेश निरस्त नहीं करवाना होगा। पसंदीदा कोर्स नहीं मिलने की स्थिति में विद्यार्थी को पाठ्यक्रम से प्रवेश निरस्त करवाने के लिए काउंसलिंग स्थल पर आवेदन करना होगा। छात्र-छात्राएं पाठ्यक्रम बदलने के लिए भी विशेष व्यवस्था रखी है। काउंसलिंग स्थल पर विद्यार्थियों की समस्या का समाधान किया जाएगा।

रिक्त सीटों का ब्योरा रखना होगा आसान-सीयूईटी समन्वयक डा. कन्हैया आहूजा का कहना है कि विश्वविद्यालय ने सिंगल विंडो व्यवस्था रखी है। काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही विद्यार्थी प्रवेश निरस्त करवा सकेंगे। इससे छात्र-छात्राओं के समय की बचत होगी। वहीं पाठ्यक्रम की रिक्त सीटों का ब्योरा रखना भी आसान होगा। बार-बार विभागों से जानकारी नहीं मांगना पड़ेगी।

अगले हफ्ते आएंगे मेट्रो के कोच

गांधी नगर डिपो से प्रायोरिटी कॉरिडोर तक सितंबर में होगा 6 किलोमीटर का ट्रायल रन

इंदौर। शहर में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल अगले माह होगा। इसके लिए ट्रेन के कोच 25 अगस्त के बाद इंदौर पहुंचेंगे। यह ट्रायल गांधी नगर मेट्रो डिपो से कॉरिडोर के 6 किमी हिस्से में होगा। इसके लिए जोरशोर से तैयारियां चल रही है। मैदानी टीम दिन-रात जुटी है। चूंकि अभी बारिश नहीं है इसलिए अधिकारियों की कोशिश है कि इसका काम तेजी से हो। शुक्रवार को मेट्रो प्रोजेक्ट के एमडी मनीषसिंह कामों का जायजा लेने गांधी नगर डिपो पहुंचे।

ट्रायल शुरू करने के पूर्व अभी उससे संबंधित बचे कामों को पूरा किया जा रहा है। इसके लिए लगातार बैठकें हो रही हैं। इनमें बारीकी से सिविल वर्क का रिव्यू किया जा रहा है। प्लेटफार्म और मेट्रो ट्रेन के कोच का

अलाइनमेंट प्रॉपर हो इस पर विशेष जोर दिया गया है क्योंकि ट्रेन के आने व रवाना होने के दौरान दरवाजों का खुलना और बंद होना खास होता है। इसके साथ ही सिविल, इलेक्ट्रिक, सिग्नल, पावर सप्लाई, कंट्रोलिंग सिस्टम, ट्रेन स्पीड, चेंज ओवर, सिग्नल नेटवर्क, प्लेटफार्म पर रुकने की स्पीड सहित अन्य कामों को पूरा किया जाएगा।

वडोदरा से आएंगे कोच

इन दिनों मेट्रो ट्रेन कोच का निर्माण सांवली (वडोदरा) में किया जा रहा है। ये कोच 25 अगस्त के बाद इंदौर पहुंचना शुरू हो जाएंगे। कोच मेन्युफेक्चर करने वाली कंपनी एल्सटॉम है। कोच इंदौर पहुंचने के बाद उन्हें जोडने का काम भी जल्द शुरू होगा। इसके लिए गांधी नगर व मेट्रो डिपो में टेस्टिंग ट्रैक के साथ ट्रायल ट्रैक भी तैयार हो चुका है। अभी इस छह किमी के हिस्से में ढाई हजार कर्मचारी दिन-रात काम में जुटे हैं।

अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि आदिवासी पर पेशाब करने वाला व्यक्ति किस पार्टी का है-खड़ग

मप्र की जनता 50 परसेंट कमीशन की सरकार को हटाएगीः खड़गे

शिवराज सरकार प्रचार, अत्याचार और भ्रष्टाचार की सरकार है-कमलनाथ

खरगे और कमलनाथ की विशाल जनसभा, कर्नाटक की जनता ने 40 परसेंट कमीशन की सरकार गिराई

भोपाल। बुंदेलखंड के सागर के कजली वनमैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में पूरे बुंदेलखंड से लाखों की संख्या में जनता शामिल हुई। जनसभा को संबोधित करते हुए श्री खरगे ने कहा कि कर्नाटक की जनता ने 40 प्रतिषत कमीशन लेने वाली भाजपा की सरकार को हटाया था और मध्य प्रदेश की जनता 50 प्रतिशत कमीशन लेने वाली शिवराज सरकार को हटाएगी।

श्री खरगे ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा- प्यारे बुंदेलखंडवासियो आप सबको मेरा नमस्कार। क्रांतिवीरों और दानवीरों की धरती सागर पर इस विशाल जनसभा को देख कर मैं बहुत खुश हूं। बुंदेलखंड का इलाका आन बान और शान के लिए मशहूर है। बलिदानियों की भूमि है। मैं आजादी के आंदोलन में शहादत देने वाले नायकों को श्रद्धांजलि देता हूं। बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल, महारानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना झलकारी बाई को श्रद्धांजलि देता हूं। इसके साथ 17 साल की उम्र में 1942 के आंदोलन में तिरंगा फहराते शहीद हुए साबूलाल जैन के योगदान को भी मैं नमन करता हूं। जिनके नेतृत्व में भारत का संविधान बना, बाबा साहेब मध्य प्रदेश के महू कैंट में ही पैदा हुए थे। संविधान निर्माताओं में डॉ. हरिसिंह गौर भी थे, जिन्होंने बुंदेलखंड की धरती पर जिंदगी भर की कमाई लगा कर मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय स्थापित किया। डॉ गौर को मैं विशेष तौर पर नमन करता हूं।

श्री खरगे ने कहा कि मोदी जी को संत रविदास जी सिर्फ़ चुनाव में याद आते हैं। चंद रोज पहले सागर में ही प्रधानमंत्री मोदीजी ने 100 करोड़ के संत रविदास जी मंदिर और स्मारक का शिलान्यास किया, ये खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति जनजाति और ओबीसी को अब उचित सम्मान मिल रहा है। पिछली सरकारों में उनकी उपेक्षा होती थी। कोई हजार करोड़ का मंदिर बनवाए तो हमें ऐतराज नहीं, 9 साल से मोदी सरकार हैं, शिवराज 18 साल से सरकार में है, रविदास जी अब क्यों याद आए, क्योंकि चुनाव आने वाला है। इनको रविदासजी की इतनी चिंता है तो दिल्ली में संत रविदासजी की यादों से जुड़े ऐतिहासिक मंदिर को क्यों गिरवा दिया, 1509 में दिल्ली में वहां रविदासजी ने विश्राम किया था, सिकंदर लोदी ने जमीन दान दी थी और मंदिर तथा बावड़ी बनी। इस पुराने मंदिर को बाबू जगजीवन रामजी ने 1959 में पुनरुद्धार कराकर उद्घाटन किया था। मोदी जी की सरकार में, वो चाहते तो बचा सकते थे।

मध्य प्रदेश में हमारी सरकार बनेगी तो बुंदेलखंड क्षेत्र में संत रविदासजी की याद में विश्वविद्यालय बनेगा, जो देश भर में उनके विचारों की रोशनी बिखेरेगा। श्री खरगे ने कहा कि भाजपा ने जनादेश का अपमान किया है। आप जानते हैं कि मैं कर्नाटक राज्य से आता हूं। 2018 में कर्नाटक में बीजेपी हारी और हमारी गठबंधन की सरकार बनी। फिर आप लोगों ने मध्य प्रदेश में बीजेपी को हराया, और कांग्रेस की सरकार बनी। दोनों राज्यों में हारने के बाद बीजेपी ने खेल शुरू किया। क्योंकि उनकी पिछली सरकार के काले कारनामे सामने आने लगे थे। सीबीआई, ईडी और सरकारी एजेंसिंया लगाकर पहले जुलाई 2019 में कर्नाटक में चुनी हुई सरकार गिरा कर चोर दरवाजे से अपनी सरकार बना ली। इसी तरह मार्च 2020 में कोरोना के दौरान मध्य प्रदेश में सरकार बनायी।

बीजेपी के लिए कांग्रेस या दूसरे दलों के लोग तब तक बुरे और परिवारवादी होते हैं, जब तक बीजेपी में न चले जायें। बीजेपी के पास ऐसी वाशिंग मशीन है जिसमें डालकर उनको मोदीजी और शाहजी पवित्र कर देते हैं। सरकारें गिराने वाली टीम के मुखिया ही अब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की पुरानी सरकारों के कामकाज का ब्यौरा मांग रहे हैं। ये सरकारें आपने किस लालच या मजबूरी में गिरायी थीं। मणिपुर, गोवा, महाराष्ट्र और कई राज्यों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी सरकारों को उन्होंने गिराया। ऊपर से लोकतंत्र-संविधान की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। कर्नाटक और मध्य प्रदेश दोनों जगह बीजेपी सरकार बनने के बाद कैसा भ्रष्टाचार हुआ, ये सब अच्छी तरह जानते हैं। कर्नाटक में 40 प्रतिषत कमीशन की सरकार को बचाने के लिए मोदीजी, उनकी पूरी कैबिनेट, शिवराजजी और बीजेपी के सारे मुख्यमंत्री 2 महीने जगह-जगह घूमे। लेकिन कर्नाटक की जनता ने 40 प्रतिषत कमीशन की भ्रष्ट सरकार को बाहर कर दिया। उनकी विदाई हो गयी है और जनता ने ऐसा प्रचंड बहुमत दिया कि ये कुछ गलत करने की हालत में भी नहीं रहे। आप लोग ही बताइए यहां कितना परसेंट है? यहां 50 प्रतिषत कमीशन चल रहा है। अब मध्य प्रदेश की जनता की अदालत का फैसला आना है। हमें भरोसा है कि यहां जीत के सारे रिकॉर्ड टूटने वाले हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बाबा साहेब कहते थे कि 'बदला लेने की नहीं बदलाव लाने की सोच रखो'', वही सोच हमारी है। इसी सोच पर हम लोग मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में सरकार बनाने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ और राजस्थान की हमारी सरकारों को अच्छे कामों के कारण फिर जनादेश मिलेगा, ऐसा हमें भरोसा है। मध्य प्रदेश को भारत का दिल कहते हैं। लेकिन बीजेपी राज में 18 सालों में घोटालों से ये बहुत बदनाम हुआ। धरती से लेकर आसमान तक और नदी से लेकर पहाड़ तक को इन्होंने नही छोड़ा। इंसान से लेकर भगवान तक सबको धोखा दिया। कहीं आग में फाइल जल रही है तो महाकाल में तूफान ने इनकी कारस्तानी की पोल खोल दी।

व्यापम घोटाले के बारे में तो देश का बच्चा-बच्चा जान रहा है। ये घोटाला 2013 में प्रकाश में आया, 40 से ज्यादा अभियुक्तों, गवाहों और जाँचकर्ताओं की संदिग्ध मौत हुई। इसे छिपाने की कहानी ऐसी तिलस्मी है कि इस पर फिल्म बनेगी तो खूब चलेगी। उन्होंने कहा नर्मदाजी में अवैध खनन, पोषण आहार घोटाला, डंपर घोटाला, व्यापम घोटाला, क्डंज घोटाला, पुलिस भर्ती घोटाला, नर्सिंग कॉलेज घोटाला, पटवारी भरती घोटाला। धर्म के नाम पर भी घोटाला हुआ।

श्री खरगे ने कहा कि बुंदेलखंड पैकेज का क्या हुआ? मोदीजी ने सागर की झील और लाखा बंजारा का जिक्र करते हुए कहा था कि लाखा बंजारा ने इतने वर्ष पहले पानी की अहमियत को समझा था, कांग्रेस ने नहीं, पर मोदीजी ने बुंदेलखंड पैकेज पर क्यों कुछ नहीं कहा। आप लोग जानते हैं कि राहुलजी के प्रयासों से 2009 में बुंदेलखंड पैकेज बना था। बीजेपी सरकार ने ढंग से इस पैकेज का उपयोग किया होता तो आज यहां की तस्वीर बदल गयी होती।

चीफ जस्टिस समेत हाई कोर्ट के सभी 33 जज सालभर में जुटाएंगे 20 लाख रु., बच्चों की पढ़ाई-इलाज पर खर्च होगा पैसा

न्याय जगत का नवाचार

भोपाल। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रवि मलिमठ नें. एक और अनूठी पहल की है। अब जस्टिस मलिमठ समेत हाई कोर्ट के सभी जज अपने वेतन से 5-5 हजार रुपए दान देंगे। यह पैसा जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई, कमजोर वर्ग के लोगों के इलाज और अन्य तरह की जरूरतों में खर्च किया जाएगा। जज इसी माह के वेतन में से यह पैसा देंगे। सालाना 19 लाख 80 हजार रुपए तक जमा हो सकेंगे। इस पहल के लिए बाकायदा एक संस्था भी गठित की गई है, जिसके बैनर तले समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक मदद की जाएगी। बता दें कि विगत 15 अगस्त को ही वेतन

से 5 हजार रुपए दान किए जाने की घोषणा की गई थी। हाई कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस सहित 33 जज हैं। हर महीने 5 हजार रुपए के हिसाब से कुल 1 लाख 65 हजार रुपए जमा होंगे। वहीं, इंदौर खंडपीठ में फिलहाल 8 जज हैं। इंदौर खंडपीठ से कुल 40 हजार रुपए का सहयोग किया जाएगा। अधिवक्ता आनंद अग्रवाल और प्रवीण रावल के मुताबिक अदालतों द्वारा अभी तक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त में न्याय दिलाने की व्यवस्था की जाती रही है। अब पढ़ाई, इलाज और अन्य काम के लिए भी मदद की जाएगी। हाई कोर्ट और जिला कोर्ट में लीगल सर्विस अथॉरिटी के माध्यम से ऐसे लोग, जो अपने मामलों के लिए निजी रूप से वकील नहीं ले सकते, उन्हें वकील उपलब्ध कराया जाता है।

गरीब परिवारों की जिंदगी बदलना है मिशनः मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को पहनाई चरण पादुकाएं और भेंट की पानी की बॉटल

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए है। मध्यप्रदेश की धरती पर कोई भी गरीब जमीन के बिना नहीं रहेगा। प्रदेश में मुख्यमंत्री भू-अधिकार योजना का क्रियान्वयन जारी है।

शिवपुरी में 27 हजार लोगों को पट्टे उपलब्ध कराए गए हैं। यदि कोई छूटा होगा तो उसे भी भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। शीघ्र ही पोहरी के बैराड़ में महाविद्यालय आरंभ किया जाएगा। वे आज पोहरी जिला शिवपुरी में मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्राहकों को संबोधित कर रहे थे। श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने जल, जंगल और जमीन के मामलों में जनजातीय भाई-बहनों के सशक्तिकरण का नया शंखनाद किया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों का जीवन सरल बनाने के लिए चरण पादुका योजना में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को जूते, चप्पल, साड़ियां, पानी की बॉटल, छाता तथा अन्य

आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इस वर्ष शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, श्योपुर एवं ग्वालियर के तेन्दूपत्ता संग्राहकों को 88,748 जोड़ी जूता, 89,159 जोड़ी चप्पल, 90,440 नग पानी की बोतल एवं 1,14,595 नग साड़ी का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनजातीय नृत्य और संगीत के बीच पुष्प-वर्षा कर हितग्राहियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने 77 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने श्रीमती कांति बाई और श्रीमती ममता को प्रतीक स्वरूप चरणपादुका पहनाकर, साड़ी और पानी की बॉटल सौंप कर, सामग्री वितरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के वन मंत्री डॉ. विजय शाह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़ तथा अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

झूठे कामों के बजाए असली करतूतों का हिसाब दें-कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने कामों को रिपोर्ट कार्ड जारी कर रही है। इस पर पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने निशाना साधा है। कमलनाथ ने भाजपा के रिपोर्ट कार्ड पर तंज कसते हुए कहा कि झूठे कामों के बजाए असली करतूतों का हिसाब दें। बता दें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के साढ़े 18 साल के काम का रिपोर्ट कार्ड जारी करेंगे। इसे गरीब कल्याण का महाअभियान नाम दिया है। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि सुना है, आज भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश में किए गए कामों का हिसाब देने वाली है। लेकिन जनता चाहती है कि झूठे कामों का हिसाब देने के बजाय असली करतूतों का हिसाब दिया जाए। पूर्व सीएम ने लिखा कि 50त्न कमीशन राज चलाने वाली भाजपा अपने हिसाब पत्र में जनता को बताए इन्वेस्टर समिट का हिसाब। 33 लाख करोड़ की निवेश घोषणाओं का हिसाब। महिला अपराध में नंबर 1 रहने का हिसाब। बाल अपराध में नंबर 1 होने का हिसाब, बुजुर्ग अपराध में नंबर 2 होने का हिसाब। आदिवासी अत्याचार में नंबर 1 होने का हिसाब, दलित अत्याचार का हिसाब।

भाजपा में नहीं थम रहे विरोध के स्वर

कई सीटों पर टिकट के दावेदारों ने खोला मोर्चा

भोपाल। प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद से ही भाजपा में टिकट कटने से नाराज चल रहे दावेदारों के शुरु हुए विरोधी स्वर शांत होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह बात अलग है कि अब तक टिकट कटने से नाराज दावेदारों से प्रदेश स्तर से या फिर कहें कि किसी भी बडे नेता ने बात कर उन्हें शांत कराने का प्रयास भी नहीं किया है। यही वजह है कि अब मुखर होकर नाराजगी दिखाने वाले नेताओं की संख्या कम होने की जगह बढ़ गई है।

टिकट की पहली सूची जारी होने के बाद ऐसे नेताओं की संख्या पहले आधा दर्जन थी, जो अब बढक़र आठ तक पहुंच गई है। गुना की चाचौड़ा, सागर की बंडा, छतरपुर की महाराजपुर और छतरपुर, डिंडोरी की शाहपुरा सीटें ऐसी हैं, जहां पर तो यह कलह खुलकर सामने आ चुकी हैं। अगर पार्टी द्वारा इन नाराज नेताओं को जल्द ही नहीं मनाया गया तो एक बार फिर से बीते चुनाव की तरह ही स्थिति बन सकती है। इस सूची को लेकर पार्टी के नेताओं से लेकर कार्यकर्ता तक अचंभित हैं। इसकी वजह है इसमें कई वे नेता हैं, जो बीते चुनाव में न केवल खुद हारे हैं, बल्कि उनकी वजह से पार्टी को आसपास की सीटों तक को गंवाना पड़ा है। बुंदेलखंड के छतरपुर सीट को लेकर वहां संगठन टिकट के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे पुष्पेंद्र प्रताप सिंह गुड्डू के समर्थक सडकों पर दिखाई दिए ।

वे पुष्पेंद्र की पत्नी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रही अर्चना सिंह की जगह पूर्व मंत्री ललिता यादव को टिकट दिए जाने से नाराज दिखे। इसी तरह भिंड जिले की गोहद विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य की टिकट पक्की होते ही पूर्व विधायक रघुवीर जाटव के समर्थकों की नाराजगी ऐसी हो गई थी कि वे पार्टी तक छोड़ने की तैयारी में लग गए थे लेकिन इस मामले में श्रीमंत ने बात की तब कहीं जाकर मामला शांत हो पाया। जाटव इस मामले में कह चुके हैं कि समर्थकों का गुस्सा होना स्वाभाविक है, लेकिन वे सभी को बैठाकर समझा रहे हैं। वे भी पार्टी के फैसले का स्वागत करते हैं और चुनाव में हम सब मिलकर पार्टी को चुनाव जिताने के लिए काम करेंगे।

सीट को लेकर धुर्वे भी नाराज

पार्टी ने पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे को पार्टी ने शाहपुरा से प्रत्याशी घोषित किया है। वे इस बार डिंडोरी से टिकट चाह रहे थे। इसके लिए उनके द्वारा लगातार तैयारी भी की जा रही थी। वे अब कह रहे हैं कि पार्टी हाईकमान से बात की जाएगी। चाचौड़ा से पूर्व विधायक ममता मीणा यहां से घोषित प्रत्याशी प्रियंका मीणा के विरुद्ध मोर्चा खुलकर खेल चुकी हैं। उन्होंने 21 अगस्त को कार्यकर्ताओं की मीटिंग बुलाई है। यहां से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह विधायक हैं। पूर्व विधायक ममता मीणा का कहना है कि कार्यकर्ताओं की रायशुमारी नहीं हुई। मंडल अध्यक्षों से भी नहीं पूछा गया। %जिनको (प्रियंका मीणा) टिकट दिया गया है, वे जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हारी, देवर भी हारे । ऊपर से टिकट हो गया। यह फॉर्मूला नहीं चलेगा। कार्यकर्ता जो कहेंगे, वही करूंगी।.

रावत के बेटे का तंज

मुरैना की सबलगढ़ सीट पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत के बेटे आदित्य ने सोशल मीडिया पर लिखा- पहले 2018, फिर राज्यसभा चुनाव, अब फिर नजरअंदाज । आदित्य ने ट्वीट कर लिखा कि 20 साल पार्टी के लिए दिन रात एक कर दिया, इसके बाद भी हम में योग्यता नहीं दिखी। आदित्य ने अपने इस पोस्ट को केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं को टैग कर अपलोड किया था। सोशल मीडिया पर, पोस्ट सामने आते ही हडकंप मच गया! बाद में पोस्ट डिलीट कर दी गई। इसी तरह से सोनकच्छ सीट से पूर्व विधायक रहे राजेंद्र वर्मा ने कहा- पार्टी ने अन्याय किया। 23 हजार से हारे पूर्व मंत्री लाल सिंह के साथ बाकी हारे हुए लोगों को टिकट दिया तो मेरे साथ क्या दिक्कत थी। पांच बार के सांसद पिता फूलचंद वर्मा ने पं. दीनदयाल जी के साथ काम किया।

पूर्व भाजपा विधायक मांगीलाल लड़ेंगे निर्दलीय

बसपा के राजकुमार आप में शामिल

भोपाल। मप्र में भाजपा और बसपा द्वारा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होते ही बगावती सुर शुरू हो गए हैं। भोपाल उत्तरी विधानसभा से भाजपा के पूर्व विधायक मांगीलाल वाजपेयी अपना टिकट काटे जाने से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से आलोक शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि वे वर्तमान में महापौर हैं। शर्मा ने स्वयं मुझे टिकट दिलवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन वे झूठे निकले और स्वयं टिकट ले लिया। उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। उधर रीवा के सिरमोर से टिकट कटने से नाराज बसपा नेता राजकुमार उमरलिया बसपा से इस्तीफा देकर आप में शामिल हो गए। आईएएस भाजपा में शामिल, सरकार बनाएगी बीजेपी- तोमर भोपाल। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता नरेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि भाजपा मध्य प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है। कल सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके अग्रवाल, राजीव मिश्रा और वेद प्रकाश शर्मा भाजपा में शामिल हुए हैं। हम 150 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

kareena kapoor

सैफ अली खान के बर्थडे पर रोमांटिक हुई करीना,बताया दीवाना

लीवुड एक्टर और पटौदी खानदान के छोटे नवाब सैफ अली खान अपना 56वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस मौके पर फैंस के साथ- साथ सेलेब्रिटीज भी उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। हालांकि एक्ट्रेस करीना कपूर ने पति सैफ अली खान को बर्थडे पर एक खास अंदाज में विश किया है। करीना कपूर ने सैफ अली खान संग बीच से अपनी एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में करीना जहां पिंक कलर की बिकिनी पहनें नजर आ रही हैं तो वहीं सैफ अली खान शॉर्ट्स पहनकर स्विमिंग पूल के किनारे बैठे नजर आ रहे हैं। सैफ अली खान संग अपनी रोमांटिक तस्वीर शेयर करते हुए करीना कपूर ने कैप्शन में हसबैंड के लिए बेहद ही प्यारा पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा, उन्होंने वह तस्वीर चुनी, जिसे मैं इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सकूं। भले ही वह

मेरे सामने मुस्कुरा रहे हों और क्यों नहीं ? आखिर यह उनका बर्थडे है। आप हमेशा ऐसे ही निश्चिंत रहो मेरी जान। मेरे ट्रू लवर को जन्मदिन की ढ़ेरों शुभकामनाएं। वास्तव में आपके जैसा उदार, दयालु , दीवाना और क्रेजी कोई दूसरा नहीं है। ठीक है मैं पूरा दिन लिख सकती हूं लेकिन मुझे केक खाना है। करीना कपूर के इस पोस्ट पर फैंस के साथ- साथ सेलेब्रिटीज भी जमकर रिएक्ट कर रह हैं। एक्ट्रेस सोनम कपूर ने सैफ को बर्थडे की बधाई देते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे सैफ अली खान, वी लव यू। तो वहीं मलाइका अरोड़ा और करिश्मा कपूर ने करीना के इस पोस्ट पर हार्ट का इमोजी बनाया है।

कियारा ने अपने पति को बताया बैस्ट कुक

लीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के सक्सेस को काफी एन्जॉय कर रही हैं। साथ ही एक्ट्रेस अपने शादी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा बी-टाउन के सबसे पसंदीदा कपल में से एक हैं। इस जोड़ी ने अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और ऑफ-स्क्रीन रोमांस से लाखों लोगों का दिल जीत लिया है। दोनों कपल के फैंस उनके हर अपडेट पर नजर रखते हैं और दोनों पर जमकर प्यार बरसाते हैं। कियारा आडवाणी अपनी शादी को लेकर खूब लाइम लाइट्स में रही है। इसी बीच उन्होंने एक इंटरव्यू में शादी के बाद की पहली रसोई को लेकर खुलासा किया है और बताया कि पहली रसोई में क्या बनाई थीं।

कियारा पहली रसोई में क्या बनाई

दरअसल, एक टीवी शो के दौरान कियारा आडवाणी से उनसे एक

जवाब ने पूछा, 'आपने अपनी रसोई में सबसे पहले क्या रेसेपी बनाई थी, शादी के बाद ?' इसे सुनते ही पहले कियारा आडवाणी थोड़ा मुस्कुराईं और फिर बोलीं, 'कुछ नहीं बनाया अब तक पानी गर्म करा होगा'। इसके बाद आगे बात करते हुए कियारा ने खुद को खुशकिस्मत कहा और बताया कि सिद्धार्थ बहुत अच्छे कुक हैं। हालांकि शादी के बाद पहली रसोई में सिद्धार्थ ने हलवे की फोटो शेयर कर बताया था कि वह उनकी पत्नी ने बनाया है। मगर कियारा की इन बातों से लगता है कि वो खाना उनके कुक ने बनाया होगा।

मेरे पति को खाना बनाना पसंद है

कियारा आडवाणी ने अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के बारे में बात करते हुए आगे बताती हैं, 'मैं भाग्यशाली हूं क्योंकि मेरे पति को खाना बनाना पसंद है। तो ज्यादातार वो कुछ बना लेते हैं खुद के लिए और मैं खा लेती हूं। कियारा ने सिद्धार्थ की फेवरेट डिश का भी खुलासा किया और कहा, 'वह वाकई में बहुत अच्छी रोटी बनाते हैं।

इन हीरोइनों के पास नहीं है भारत की नागरिकता

लीवुड इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग के दम पर नाम कमाने वाले ऐसे कई सेलेब्स हैं जो दमदार अभिनय तो करते हैं लेकिन भारत के नागरिक नहीं हैं। इन सेलेब्स ने भले ही भारत के लोगों के दिलों में अपनी दमदार एक्टिंग के चलते एक अलग जगह बनाई हो लेकिन ये अपने आपको भारतीय नहीं कह सकते हैं। इन सेलेब्स के पास भारत के अलावा किसी और देश का पासपोर्ट या नागरिकता है। हाल ही में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार को भारतीय नगरिकता प्राप्त हुई है। इससे पहले तक वह कनाडाई नागरिक थे। अक्षय कुमार साल 2019 से भारत की नागरिकता पाने के लिए कोशिश कर रहे थे। अक्षय कुमार की तरह ही ऐसे कई सेलेब्स हैं जो भारत की नागरिकता पाने के लिए पुरजोर कोशिश में लगे हुए हैं। आइए कुछ ऐसे बॉलीवुड सेलेब्स के बारे में आपको बताते हैं जो लंबे समय से भारत को छोड़ दूसरे देश के नागरिक हैं।

आलिया भट्ट

बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेसेस में से एक आलिया भट्ट के पास भारत की नागरिकता नहीं है। आलिया भट्ट के पास अपनी मां सोनी राजदान की तरह ही ब्रिटिश पासपोर्ट है। हालांकि आलिया भट्ट के पिता बॉलीवुड के फेमस फिल्म मेकर महेश भट्ट भारतीय नागरिक हैं।

नरगिस फाखरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी भी भारत की नागरिक नहीं हैं। उनके माता-पिता दोनों पाकिस्तानी और चेक मूल के हैं। नरगिस फाखरी का जन्म अमेरिका में हुआ है और पिछले काफी समय से वह बॉलीवुड में काम कर रही हैं। नरगिस फाखरी के पास अमेरिकी नागरिकता है।

जैकलीन फर्नांडीज

बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने से पहले जैकलीन फर्नांडीज श्रीलंकाई फिल्मों की एक्ट्रेस थीं। जैकलीन फर्नांडीज का जन्म श्रीलंका में हुआ है। उन्होंने एक मॉडल के रूप में अपना करियर श्रीलंका से ही शुरू किया था। वह साल 2006 में मिस यूनिवर्स श्रीलंका का खिताब जीत चुकी हैं। जैकलीन फर्नांडीज ने साल 2009 में बॉलीवुड में एंट्री की थी लेकिन अभी भी वह श्रीलंकाई नागरिक हैं।

कैटरीना कैफ

बॉलीवुड की महंगी एक्ट्रेसेस में से एक कैटरीना कैफ का जन्म हांगकांग में एक संपन्न परिवार में हुआ था। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे, जिनके पास ब्रिटिश पासपोर्ट था। हालांकि, वह कश्मीरी मूल के थे। वहीं कैटरीना कैफ की मां एक ब्रिटिश अदालत में वकील थीं। कैटरीना कैफ के पास ब्रिटेन की नागरिकता है।

सनी लियोनी

बॉलीवुड एक्ट्रेस करनजीत कौर यानी सनी लियोनी की मां कनाडाई और पिता अमेरिकी राष्ट्रीयता के थे। सनी लियोनी ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कई एडल्ट फिल्मों में भी काम किया था। इसके बाद उन्होंने भारत आकर बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। हालांकि उनके पास अभी भी कनाडाई नागरिकता ही है। नोरा फतेही पिछले काफी समय से नोरा फतेही अपनी डांसिंग स्किल्स के चलते बॉलीवुड में धूम मचा रही हैं।

नोरा फतेही

नोरा फतेही का जन्म कनाडा में हुआ था और उनके पास भारतीय नहीं बल्कि कनाडाई पासपोर्ट है।

नोरा फतेही का परिवार मोरक्को से ताल्लुक रखता है।

BOLLYWOOD UPDATE

एक फैसले ने बर्बाद कर दिया तेरे नाम की निर्जरा का करियर

तेरे नाम फिल्म से रातों-रात लाइमलाइट में आई भूमिका चावला अपना 45वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। इस फिल्म से भले ही एक्ट्रेस फर्श से अर्श तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद जिंदगी के एक फैसले ने उनकी ऐसी जिंदगी पलट दी कि फिल्मों में उनका करियर डूबा और स्क्रीन से गायब हो गई। आइये जानते हैं आखिर ऐसा क्या हुआ था जिसने भूमिका चावला के चलते हुए करियर पर ब्रेक लगा दिया।

बेचा पाउडर

भूमिका चावला ने अपने करियर की शुरुआत विज्ञापनों और एड फिल्म से की थी। यहां तक कि भूमिका का पहला विज्ञापन पाउडर बेचने वाला ही था। बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि दिल्ली में पढ़ाई पूरी करने के बाद भूमिका मुंबई आई और टीवी सीरियल हिप हिप हुर्रे, में दिखाई दीं।

तेरे नाम से किया डेब्यू

भूमिका चावला ने बॉलीवुड में तेरे नाम फिल्म से डेब्यू किया था। फिल्म में सलमान खान के साथ उनकी जोड़ी लोगों को खूब पसंद आई और फिल्म हिट हुई और वो रातों-रात सुर्खियों में आ गईं। भूमिका चावला ने इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्हें कई फिल्मों में रिप्लेस किया गया। जिसमें जव वी मेट फिल्म शामिल है।

शादी के बाद करियर में शुरू हुआ स्ट्रगल

भूमिका चावला ने साल 2007 में बॉयफ्रेंड भरत ठाकुर से शादी कर ली, लेकिन शादी के बाद स्ट्रगल बढ़ गया। भूमिका ने कई इंटरव्यू में बताया कि शादी हो गई है, तो अब वो फिल्में नहीं करेंगी। भूमिका अब स्क्रीन से गायब हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था- मैं एक रस्सी पर चल रही हूं। ताकि वो मुझे अप्रोच करें। आप स्क्रीन पर नहीं दिखते हैं तो लोग मान लेते हैं कि आपका बच्चा है और आपको फिल्मों में अब दिलचस्पी नहीं है। आपको बता दें, भूमिका आखिरी बार सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आई थीं। ●

तेलुगू फिल्मों से की करियर की शुरुआत

भूमिका चावला ने बॉलीवुड में कदम रखने से पहले तेलुगू फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। यहां तक कि एक्ट्रेस ने पवन कल्याण से लेकर महेश बाबू और जूनियर एनटीआर जैसे कई सितारों के साथ काम किया है।

सलमान नए लुक में आए गंजे नजर

सलमान खान ने लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अभिनेता अपनी नई तस्वीरों में गंजे नजर आ रहे हैं। फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि उनका ये लुक उनकी नई फिल्मों के लिए है। कुछ नेटिजन्स ने सलमान खान के ब्लॉकबस्टर 'तेरे नाम' के लुक को भी याद किया और उनके नए हेयरस्टाइल के लिए उनकी तारीफ भी की। 'सुल्तान' अभिनेता क्लासिक ब्लैक शर्ट और मैचिंग पैंट में डैशिंग लग रहे थे। लोगों ने उनसे पूछा क्या लुक फिल्म तेरे नाम के सीक्वेल के लिए है। वहीं दूसरी ओर फैंस ये भी अंदाजा लगा रहे हैं कि सलमान का नया लुक विष्णु वर्धन और करण जौहर की फिल्म के लिए है। खबरों की माने तो टाइगर 3 के बाद केजेओ और विष्णु वर्धन सलमान की अगली फिल्म बनने की दौड़ में सबसे आगे है। आपको बता दें कि मुंबई में एक पार्टी के दौरान सलमान खान पूरे गंजे दिखाई दिए। जिसके बाद अभिनेता की तस्वीरों और वीडियो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया।

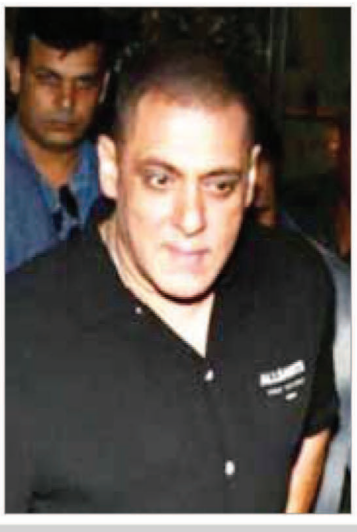

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में सलमान ने ब्लैक कलर के कपड़े पहने हुए पार्टी में एंट्री करते हुए दिखाया गया। जैसे ही अभिनेता की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए, फैंस ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि उनका नया लुक विष्णु वर्धन और करण जौहर की आगामी फिल्म के लिए है। ●

पुलिस अफसर बल के साथ उतरे, 1583 गुंडे-बदमाश पकड़ाए

इंदौर। डीजीपी सुधीर सक्सेना की नाराजगी के बाद चारों जोन में डीसीपी अपने एडिशनल डीसीपी-एसीपी थानों के बल के साथ संवेदनशील इलाकों में पहुंचे। निगरानीशुदा गुंडे-बदमाशों को घरों में घुसकर नींद से जगाकर पकड़ा। शनिवार रात में 1583 बदमाशों पर कार्रवाई की। रविवार रात को भी कार्रवाई जारी रही। पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर ने बताया कांबिंग गश्त में 862 समंस व वारंटी बदमाशों की भी तामीली करवाई गई। वहीं 234 स्थायी, 224 गिरफ्तारी और 202 जमानती वारंट तामील करवाए गए। 262 आदतन गुंडों पर प्रतिबंधात्मक व बाउंडओवर की कार्रवाई की। 259 निगरानीशुदा बदमाशों व 122 चिह्नित गुंडों और 30 चाकूबाज बदमाशों को जेल भेजा गया। 15 जिलाबदर बदमाशों को घरों व इलाकों से पकड़कर जेल भेजा। वहीं शराब पीकर घूम रहे 27 युवकों को रातभर थाने में बैठाया।

कॉलोनियों में भी होगी आकस्मिक चेकिंग लूटपाट, चाकूबाजी करने वाले बदमाशों को चिह्नित कर उनके पूर्व में किए अपराधों को समझकर अफसर धरपकड़ का नया प्लान बना रहे। खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई ने इसी प्लान पर कार्रवाई कर दो दिन में हत्या, लूट, चोरी के आधा दर्जन बदमाशों को पकड़ा है। अफसरों ने सभी जोन में इसी प्लान पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

खजराना एसीपी मंडलोई ने बताया कि इस दौरान धोखाधड़ी में फरार बदमाश जमील पिता इब्राहिम खान, कय्यूम पिता अल्लाह बेली दोनों को गिरफ्तार किया। जानलेवा हमले का महीनों से फरार आरोपी भीम सिंह यादव भी हाथ लगा। हत्या के मामले में कोर्ट में सरेंडर कर जमानत पर बाहर आया बदमाश भय्यू असलम पिता सलीम खान को थाने लाकर डोजियर भरवाया है।

25अगस्त के एक दिन के सामुहिक अवकाश को लेकर कर्मचारियो में काफी उत्साह

कर्मचारी संघों की प्रत्येक कार्यालय में गेट मीटिंग प्रारंभ

इंदौर। 26सूत्रीय मांगों को लेकर संयुक्त अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा द्वारा किये जा रहे चरणबद्ध आंदोलन मै दिनांक 25अगस्त को एक दिन के सामूहिक अवकाश को लेकर मोर्चा के विभन्न संघठनो के पदाधिकारियों द्वारा प्रत्येक कार्यालय मै कर्मचारियो को अवकाश आवेदन फार्मों का वितरण किया जाकर उन्हें अधिक से अधिक संख्या मै आंदोलन मै शामिल होने की अपील की जा रही है।

मोर्चा के संरक्षक हरीश बौयत जिला अध्यक्ष रमेश यादव ने बताया की पुरे जिले भर मै कर्मचारियो द्वारा स्वयं आगे बढ़कर अवकाश आवेदन दिये जा रहे है। आज् स्वास्थ्य विभाग मै गेट मीटिंग रखी गईं जिसे तृतीय वर्ग शासकीय कम. संघ के जिला अध्यक्ष राजकुमार पांडे शा. लिपिक वर्गीय कम. संघ के जिला अध्यक्ष प्रकाश दुबे स्वास्थ्य कम. संघ के जिला अध्यक्ष शेखर जोशी म. प्र. कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष महेश गोठवाल फार्मासिस्ट संघठन के संघठन महामंत्री कमलेश सिंह जागरूक अधिकारी कम. संघ के जिला अध्यक्ष पवन शर्मा अपाक्स अधिकारी कम. संघ के महानगर अध्यक्ष संदीप धोलपुरे आदि नेताओं ने संबोधित किया संचालन गौरव शर्मा ने एंव आभार कमल मिमरोट ने माना।

जिले की विधानसभा सीटों को लेकर भाजपा का मंथन शुरू

गुजरात के नौ विधायक इंदौर पहुंचे कार्यकर्ताओं से लेंगे फीडबैक

प्रत्याशियों का पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को सौंपा जाएगा

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इंदौर जिले की नौ विधानसभा सीटों पर गुजरात के नौ विधायक सौंपी गई बूथ विस्तारक की भूमिका निभाने के लिए रविवार को इंदौर पहुंच गए। ये सभी एक सप्ताह तक इंदौर में उन्हें आवंटित विधानसभा क्षेत्रों में रहेंगे और वहां के मतदाता और कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए जिताऊ प्रत्याशियों की जानकारी भी लेंगे। इस बात की पड़ताल भी करेंगे कि आखिर उस विधानसभा सीट पर कौन-कौन संभावित प्रत्याशी हो सकते हैं। प्रत्याशियों की एक पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी जाएगी।

हार-जीत की संभावनाओं पर करेंगे मंथन -गुजरात से आए विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की स्थिति का आकलन भी करेंगे। हार-जीत की संभावनाओं पर मंथन कर पता लगाएंगे कि किस विधानसभा सीट पर पार्टी मजबूत स्थिति में है और कहां वह संकट में है। ये विधायक मंथन रिपोर्ट में इस बात का जिक्र भी करेंगे कि संकट टालने के लिए पार्टी को कहां और क्या करना होगा।

ये हैं शामिल

गुजरात से आने वाले विधायक दल में शामिल शैलेष भाई मेहता को विधानसभा एक, केयूर रोकड़िया को विधानसभा दो, कंचनबेन रादड़िया को विधानसभा तीन, कौशिक भाई जैन को विधानसभा चार, संदीप देसाई को विधानसभा पांच, हार्दिक पटेल को सांवेर विधानसभा, पंकज भाई सोलंकी को देपालपुर और केतन भाई इनामदार को राऊ विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें से शैलेष भाई मेहता को छोड़कर शेष सभी विधायक रविवार रात तक इंदौर पहुंच चुके थे। मेहता सोमवार को आएंगे।

राजस्थान के हथियार तस्कर इंदौर में पकड़े, 10 देशी पिस्टल बरामद

इंदौर। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही शहर में अवैध हथियारों की सप्लाई होने लगी है। इस पर क्राइम ब्रांच ने नजर रखना शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच ने रविवार को अवैध हथियार की खेप के साथ राजस्थान के तस्करों को पकड़े है।

डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, आरोपी वाहिद उर्फ वायद खान पिता पप्पू निवासी पावटा गद्दी, गंगानगर राजस्थान और रवि मीणा पिता बतुलाल निवासी सवाई माधोपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से 10 देशी पिस्टल और 2 कारतूस जब्त हुए हैं। आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने धार से अवैध पिस्टल खरीदी थी और राजस्थान में इनकी सप्लाई करने की तैयारी थी। वह पूर्व से ही हथियार तस्करी में शामिल रहे हैं। यह भी पता चला कि आजकल बदमाश सोशल मीडिया प्लेटफोर्म पर हथियारों का लेन-देन कर रहे हैं। देखने में आया है कि बदमाश पुलिस पेट्रोलिंग के डर से टुकड़ो टुकड़ों में हथियार तस्करी कर रहे हैं। आरोपियों से पता लगाया जा रहा है कि इन हथियारों की कहां सप्लाई होनी थी और इसका उपयोग ज़ कौन करने वाला था? सभी लिंक को जोड़कर जानकारी जुटाई जा रही है।

स्कीम 97 में खाली जमीनों की सुरक्षा के लिए अब तक नहीं बनाई दीवार

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) ने स्कीम नंबर 97 पार्ट-4 की 210 एकड़ जमीन का सीमांकन कर भूखंडों की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल और तारबंदी करने का निर्णय लिया था। इस योजना को आइडीए अब तक पूरा नहीं कर सका है। योजना में खाली पड़ी भूमि अभी वैसे ही पड़ी है। स्कीम 97 पार्ट 4 का प्रकरण लंबे समय तक कोर्ट में लंबित होने से आइडीए उक्त जमीनों की निगरानी नहीं कर सका। ऐसे में जमीन पर कई निर्माण और अतिक्रमण हो गए हैं। रेती मंडी चौराहे पर ही कई दुकानें और गोदाम वर्षों से लोगों ने बनाकर किराये पर दे रखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद आइडीए ने स्कीम में शामिल जमीन की भौतिक जांच कराई तो इसमें भी कब्जे सामने आए। आइडीए इन कब्जों को अब तक नहीं हटा सका हैं। आइडीए ने राजस्व विभाग की टीम के साथ जमीन का सीमांकन भी कराया है। आमजन के लिए विकसित होंगे भूखंड योजना की 210 एकड़ जमीन पर आमजन के लिए भूखंड विकसित किए जाने हैं। सीमांकन करने के बाद आइडीए विकास योजना तैयार कर रहा है। इसमें 800 से 1000 वर्गफीट तक के आवासीय भूखंड विकसित किए जाएंगे। साथ ही कमर्शियल भूखंड भी विकसित होंगे।

भाजपा नेता की अवैध खदान प्रशासन द्वारा सील

इंदौर। भाजपा के वरिष्ठ नेता विष्णु प्रसाद शुक्ला के नाम की अवैध खदान को जिला प्रशासन ने सील कर दिया है! कलेक्टर के निर्देश पर खदान के आसपास के क्षेत्र की नपती की गई है ! उसके बाद यह अवैध उत्खनन का मामला उजागर हुआ है! भाजपा नेता विष्णु प्रसाद शुक्ला द्वारा 1.437 हेक्टेयर जमीन पर खदान स्वीकृत कराई थी! वर्षों से उसे जमीन पर अवैध रूप से खनन करके क्रेशर मशीन चलाई जा रही है! 2017 में हाईकोर्ट ने खदानों के लाइसेंस निरस्त कर दिए थे ! उसके बाद भी यहां पर अवैध खनन किया जा रहा था! जांच टीम को मौके पर गिट्टी के ढेर लगे हुए मिले ! अवैध खनन के सबूत मिले ! इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई की गई है!

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)